Volume : 1 Issue : March-May 2016

AKTU NEWS

A Quarterly News Letter of Dr. APJ Abdul Kalam Technical University, Uttar Pradesh, Lucknow

डॉ. एपीजेअब्दुल कलाम प्राविधिक विवि एवं ईएनटीयूपीएलई टेक्नोलॉजी पार्टनर ऑफ़ एएनएसवाईएस एंड केडेन्स, बैंगलोर के मध्य MOU

बैठक के दौरान विवि के कुलपति प्रो. वीके पाठक, प्रमुख सचिव प्रशि मुकुल सिंघल, विशेष सचिव प्रशि ओपी द्विवेदी, विवि के कुलसचिव केके चौधरी एवं अन्य

प्रधान संरक्षक
प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति, एकेटीयू,
उप्र, लखनऊ

संरक्षक मंडल

प्रो. वीके सिंह,
प्रतिकुलपति, एकेटीयू,
उप्र, लखनऊ

केके चौधरी,
कुलसचिव, एकेटीयू,
उप्र, लखनऊ

भानु प्रकाश,
वित्त अधिकारी,
एकेटीयू, उप्र, लखनऊ

प्रो. जेपी पांडेय,
परीक्षा नियंत्रक,
एकेटीयू, उप्र, लखनऊ

संपादक
पवन कुमार त्रिपाठी
जनसंपर्क अधिकारी,
एकेटीयू, उप्र, लखनऊ

सहायक संपादक
आयुष श्रीवास्तव
एकेटीयू,
उप्र, लखनऊ

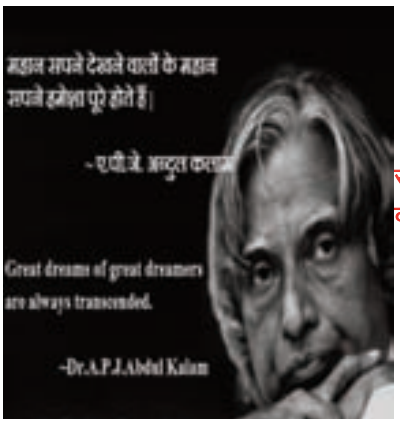

'एकेटीयू न्यूज' भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को पूर्ण रूप से समर्पित है।

अनुक्रमणिका

Sn.No.	Page	Page No.
1	कुलपति की कलम से	3
2	संपादक की कलम से पत्र	4
3	विश्वविद्यालय एक नजर में	5-12
4	शोध और नवाचार	13
5	संस्थानों के आयोजन	14-15
6	मीडिया कवरेज	16

परामर्श मंडल (विवि के समस्त डीन)

प्रो. केबी नायक
प्रो. एके कटियार
प्रो. एचके पालीवाल
प्रो. केएन उपाध्याय
प्रो. वीके सिंह
प्रो. एमएच खान
प्रो. जगबीर सिंह
प्रो. वंदना सहगल
प्रो. देवेंद्र पाठक
प्रो. अमरेश गुप्ता
प्रो. एमके झॉ
प्रो. आरके सिंघल
प्रो. विक्रम सिंह
प्रो. कुलदीप सहाय
प्रो. संजय सिंह
प्रो. सीबी त्रिपाठी
प्रो. वीरेंद्र पाठक
प्रो. गिरीश चंद्रा
प्रो. मनीष गौड़
प्रो. शैलेंद्र सिन्हा
प्रो. संपत कुमार

सकारात्मक सोच का पौध है एकेटीयू न्यूज बुलिटिन

यदि खेत में बीज न डाला जाएं तो कुदरत उसे घास फूस से भर देती है। उसी तरह से यदि दिमाग में सक. ारात्मक विचार न भरा जाए तो नकारात्मक विचार अपनी जगह बना ही लेते हैं। ''टेक्निकल ट्रिव्यून,बन्द होने के बाद से लगातार हमे अपनी यूनिवर्सिटी में सकारात्मक,स्वस्थ्य,और उत्साहपूर्ण,विकासोन्मुखी माहौल के लिये ''बुलेटिन, की जरूरत महसूस हो रही थी। आज मुझे आपके हाथों में "एकेटीयू न्यूज,का प्रवेशांक देते हुई अपार प्रसन्नता हो रही है। आशा करता हूँ यह प्रयास आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।यह प्रदेश भर में फैले हमारे तकनीकी विश्वविद्यालय का अपना "समाचार–बुले. टिन, है। कुलपति जी की सोच से उपजा यह बुलेटिन एक "प्लेट–फ़ार्म, बनाया गया है जहां विश्वविद्यालय और सम्बन्धित सारे संस्थान अपनी उपलब्धियां, विशेषताएं और जानकारियाँ सभी को बता–सुना सकेंगे।

इससे पूरे प्रदेश में समन्वय,एक–रूपता,और साहचर्य भाव विकसित होगा जिसका अंतिम लाभ 'छात्र, को ही मिलेगा।बस आपको अपने संस्थाओ की उपलब्धियों को डेड–लाइन से पूर्व भेजना होगा। आपका विश्वविद्यालय अपने स्थापना–काल (7 मई 2000 से)16 साल से भी अधिक का हो चुका है।सफलताएं,उपलब्धियां और बहुत सारे बैच निकल चुके हैं,कई बार नाम भी बदला गया।अब देश के पूर्व राष्ट्रपति और महान वै. ज्ञानिक ''डा.अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय,के रूप में जाना जाता है। चूंकि उस महान इंजीनियर,वै. ज्ञानिक,प्रबंधक से सीधी–तौर पर जुड़े हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारियां और बढ़ जाती है।हम अपने सम्बद्ध संस्थाओं के साथ विश्वविद्यालय परिवार के रूप में 'उनके, सपनों को साकार करने के लिए कटिबद्ध हैं। इन सालों में विभिन्न तकनीकी कोर्शो के 12 लाख से भी अधिक छात्र–छात्राएं देश–दुनियां में जा कर ऊचाइयां छू रहे हैं। उनकी तमाम उपलब्धियों से भी हम गर्वान्वित हैं।द. ुनिया भर कम्पनियों–संस्थानों में हमारे विद्यार्थियों का एक बड़ा हिस्सा है। भविष्य में उनको भी ''एकेटीयू न्यूज'' से जोड़ा जाएगा। जिससे वर्तमान छात्रों को आगे बढने की प्रेरणा मिल सके। इस समय सम–सत्रीय परीक्षाये चल रही हैं। छात्र–अध्यापक–निदेशक सभी उसमे व्यस्त होंगे। पिछले बार कई संस्थानों का रिजल्ट अच्छा नही गया था। ध्यान रखें सफलता कभी भी "पक्की" नहीं होती, और असफलता कभी भी अंतिम नहीं होती। इसलिये अपनी कोशिश को तब तक जारी रखिए जब तक आपकी, जीत एक "इतिहास" ना बन जाए। पूरी कोशिश करें और देश–प्रदेश का नाम रोशन करने वाले होनहार, तैयार करें। हौसला–आफजाई के लिए कुलपति जी द्वारा प्रेरित यह बुलेटिन आपके साथ है। हमें विश्वास है आप सभी का आशीर्वाद और सहयोग निरन्तर प्राप्त होगा।

पत्र संरक्षक मंडल से

हर्ष का विषय है कि एकेटीयू न्यूज बुलेटिन शुरू हो रहा है। मेरा ऐसा मानना है कि इस प्रयास से विवि के छात्र एवं छात्राओं में सकारात्मक सोच का संचार होगा।

केके चौधरी
कुलसचिव,एकेटीयू, लखनऊ

किसी भी संस्था में संवाद सबसे आवश्यक कड़ी है। विवि के इस न्यूज बुलिटिन को संस्थानों, छात्रों, आचार्यों, निकेशकों के एक मंच पर मिल सकेंगे। मुझे खुशी है कि एकेटीयू न्यूज आपसी संचार का मौका प्रदान कर रहा है। मेरी शुभकामनाएं हैं कि बुलेटिन नए प्रतिमान स्थापित करे।

भानु प्रकाश
वित्त अधिकारी, एकेटीयू, लखनऊ

डिग्री और रोजगार की बढ़ती दूरी

कुलपति महोदय का उक्त लेख प्रतिष्ठित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अमर उजाला सामाचार पत्र में 29 अप्रेल को संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित हो चुका है।

एसोचैम के मुताबिक, देश में कोचिंग इंडस्ट्री का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। ऐसी परिस्थितियां हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर रही हैं।

अगर हम देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा के पूरे परिदृश्य को देखें, तो आज हम बहुत कम नई तकनीक विकसित कर पा रहे हैं। जबकि हमारा देश ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत पहले से ही आगे रहा है। पर जब ग्रामीण अंचल के अधिक. ांश छात्र, खासकर लड़कियां विज्ञान की शिक्षा से दूर हों, तो एक विरोधाभास भी नजर आता है। प्रतिभाशाली ग्रामीण छात्रों से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा अब भी दूर है। हमारे पास ऐसा तंत्र नहीं है, जो उन तक बेहतर शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित कर सके। फंडामेंटल साइंस में रिसर्च कम हो रहे हैं और जो फंडामेंटल तकनीकें हैं, वे भी कम हो रही हैं। छात्रों को जो पढ़ाया जा रहा है, वह ज्ञान और रचनात्मकता की दृष्टि से काफी कम है।

फंडामेंटल साइंस और तकनीक की शिक्षा को प्राथमिक स्तर पर ही बच्चों को बेहतर ढंग से पढ़ाना चाहिए। हमारी स्कूली शिक्षा में रटने को महत्व दिया जाता है, समझने का महत्व कम है, रचनात्मकता की जगह तो और भी कम है। हम बच्चों की नींव बेहतर नहीं बना पा रहे, जिस कारण 12वीं पास करने के बाद वे कोचिंग की तरफ भागते हैं।

कोचिंग के बिना छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षा पास करना कठिन हो गया है। एसोचैम के मुताबिक, देश में कोचिंग इंडस्ट्री का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और यह 35 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है। इस तरह की परिस्थितियां हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर रही हैं। स्थिति यह है कि प्राथमिक शिक्षा माध्यमिक से मेल नहीं खाती और माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा से मेल नहीं खाती। मेरा मानना है कि शिक्षा के तीन स्तर होने चाहिए–पहली से पांचवीं, छठी से दसवीं और ग्यारहवीं से पंद्रहवीं। इन तीनों स्तरों पर हमें शिक्षा के साथ कौशल को जोड़ना चाहिए। पढ़ाई मुख्यतः विश्लेषणात्मक और रचनात्मक, दो स्तरों पर केंद्रित होती है। एक तरफ विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर दिया जाता है, तो दूसरी ओर कुछ सृजन करने को महत्व दिया जाता है। आज हमारे विश्वविद्यालयों या फिर आईआईटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों की पढ़ाई प्रोडक्ट ओरिएंटेड न होकर पेपर ओरिएंटेड रह गई है। हमें पेपर ओरिएंटेशन से प्रोडक्ट ओरिएंटेशन की तरफ जाना चाहिए। अंग्रेजों से मिली शिक्षा पद्धति की विरासत का पीछा करते हुए हमने मौलिकता को काफी पीछे छोड़ दिया है। दूसरी ओर, हमारे जो प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हैं, उन जैसे दूसरे मॉडल हम खड़े नहीं कर पा रहे। इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है, पर वे बहुत अच्छे नहीं चल रहे, विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी, तो उनकी गुणवत्ता कम हो गई।

हम डिग्रियां तो बांट रहे हैं, पर उनसे रोजगार नहीं मिलता। हम कुंठाग्रस्त पीढ़ियां तैयार कर रहे हैं। इस तंत्र में पढ़े–लिखे लोग कठिन मेहनत नहीं करना चाहते। सबको वातानुकूलित कमरे में बैठकर काम करने वाला रोजगार चाहिए, जो संभव नहीं है। इस देश के शिक्षण संस्थान हर साल हजारों युवाओं को प्रशिक्षित करते हैं। फिर भी कॉरपोरेट जगत की शिकायत रहती है कि उन्हें नौकरी देने के लिए जरूरी कौशल एवं प्रतिभा नहीं मिल पाती। कुछ समय पूर्व आई 'अस्पाइरिंग माइंड्स नेशनल एम्प्लॉइअबिलिटी रिपोर्ट' में अस्सी प्रतिशत इंजीनियरिंग स्नातकों को रोजगार के लिए अयोग्य बताया गया था। अपने छात्रों को हमें उन्नत शिक्षण एवं प्रशिक्षण मुहैया कराने की जरूरत है। हमारे यहां हर साल करीब चार लाख इंजीनियर निकलते हैं। इनमें से लगभग डेढ़ लाख को ही नौकरी मिल पाती है। बड़ी संख्या में खुल रहे इंजीनियरिंग संस्थान छात्रों को इंजीनियर बनने का सपना दिखाते हैं और अंततः उन्हें संघर्ष करने के लिए छोड़ देते हैं। मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है।

बाजार में उतनी मांग नहीं है, जितने इंजीनियर हर साल निकल रहे हैं। दूसरी ओर, बहुत तेजी से संस्थान खुल और बंद हो रहे हैं, उनके पास कोई बुनियादी ढांचा नहीं होता, न ही छात्रों को उचित प्रशिक्षण मिल पाता है। इस तरह की चीजों का नियमन जरूरी है, ताकि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ न हो सके। छात्रों को भी समझना होगा कि यदि आप गलत संस्थान में दाखिला लेंगे, तो उससे आपका भविष्य कैसे सुरक्षित होगा? हमें निजी विश्वविद्यालयों को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। हमारी चिंता तो उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर होनी चाहिए। छात्रों को खुद से भी यह सवाल पूछना चाहिए कि उन्होंने जो डिग्री ली है, क्या समाज और इंडस्ट्री उसे स्वीकार कर रहे हैं। आज भी हम रोजगारपरक शिक्षा से काफी दूर हैं। हमारा पाठ्यक्रम बहुत पुराना है। छात्रों को आज के वक्त के मुता. बिक तैयार करना है, तो उन्हें अपनी भाषा में शिक्षा देनी होगी। प्रबंधन, इंजीनियरिंग, मेडिकल या फिर कानून की शिक्षा को हमें अपनी भाषा में विकसित करने की जरूरत है।

आम आदमी को विज्ञान, तकनीक और प्रौद्योगिकी से जोड़ना है, तो रचनात्कता को भाषा से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यदि एक व्यक्ति को कोई एक खास भाषा नहीं आती अथवा परीक्षा में उसके ज्यादा अंक नहीं आए, तो क्या वह रचनात्मक नहीं हो सकता? हमें जिस बौद्धक स्तर के लोग मिलते हैं, हमें उनका ही स्तर सुधारना है। आम तौर पर अंकों के प्रतिशत को छात्रों के बौद्धिक स्तर और रचनात्मकता का पैमाना माना जाता है, जो ठीक नहीं। यह सोच गलत है कि 12वीं में कम अंक लाने वाले छात्रों में रचनात्मकता नहीं होती।

क्षमता सबमें होती है। समस्या यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था रचनात्मक लोगों की मदद नहीं करती। शिक्षा में रोजगार प्राप्त करने योग्य मानव संसाधन तैयार करना, आधुनिक तकनीक तथा शोध को बढ़ावा देना तथा तकनीक की मदद से सामाजिक समस्याओं के हल तलाशने का मकसद निहित होना चाहिए। शिक्षा में कौशल के अलावा मूल्य भी बेहद जरूरी हैं।

छात्रों को कैंपस में मिले इंडस्ट्री जैसा महौलः प्रो. पाठक

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिक विवि के कुलपति कार्यालय के सभागार में बुधवार को नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिग फ्रेमवर्क नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य विवि से संबद्ध संस्थानों की रैंकिंग करने के साथ ही साथ इंक्यूबेशन एवं नवाचारों के जरिए अकादमी और इंडस्ट्री के मध्य उत्पन्न हो रही दूरी को कम करके छात्रों के लिए रोजगार के नए अवसरों के सृजन की ओर कदम बढ़ाना रहा।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव प्रावधिक शिक्षा मुकुल सिंघल तथा विशेष सचिव प्रावधिक शिक्षा ओपी द्विवेदी बतौर मुख्य अतिथि मंचासीन रहे। इस अवसर पर मुकुल सिंघल जी ने कहा कि हमें समय और इंडस्ट्री की मांग के अनुसार कोर्स कैरिकुलम में बदलाव करने की आवश्यकता है।

साथ ही हमें नवाचारों को तरजीह देकर इंडस्ट्री को विश्वास दिलाने की जरूरत है, जिससे वे प्रावधिक शिक्षा संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए हाथ बढ़ाएं। इस मौके पर प्रो. पाठक ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम कैंपस में छात्रों को इंडस्ट्री जैसा महौल दे सकें, जिससे उनके कौशल का विकास हो सके। जिसके जरिए छात्रों को आसानी से रोजगार भी मुहैया कराया जा सके।

कार्यशाला के दौरान विवि से संबद्ध प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से पधारे सहभागियों ने उनके संस्थान द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया। कार्याशाला में विवि के सभी आचार्य, सहआचार्य, सहायक आचार्य एवं विभिन्न सरकारी एवं प्राइवेट प्राविधिक संस्थानों के निदेशक उपस्थित रहे। कार्याशाला का संचालन प्रो. वीरेंद्र पाठक ने किया। कार्याशाला विधिवत संपन्न हो गई।

यूपीएईई 2016 की परीक्षा में होगी बायोमैट्रिक्स अटेंडेंस

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि में मंगलवार को तिलक हाल में केंद्रीय प्रवेश समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य प्राविधिक विवि द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा की परीक्षा एवं काउंसलिंग के संबंध में परिचर्चा करना रहा। बैठक की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. कुमार पाठक ने की। बैठक में विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा शिवाकांत द्विवेदी बतौर सदस्य मंचासीन रहे।

विवि के कुलपति प्रो. पाठक ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में मुन्ना भाइयों पर लगाम लगाने के लिए इस बार परीक्षा केन्द्रों पर बायोमैट्रिक्स एवं डिजिटल फोटोग्राफी के जरिए परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इसके बाद जब छात्र प्रवेश लेने आएगा तो उसकी पहचान के लिए परीक्षा के दौरान ली गई बायोमैट्रिक्स एवं डिजिटल फोटोग्राफी से पहचान की जाएगी।

प्रदेश में प्रवेश परीक्षा को सुदृण एवं सफल बनाने के लिए विवि ने प्रदेश में 18 डिविजन बनाए हैं। विवि हर एक डिविजन में एक नोडल कोर्डिनेटर नियुक्त करेगा। उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो कैलाश नारायन ने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरवाए जा रहे है, जिसमें नेट बैकिंग, डेविट एवं क्रेडिट कार्ड के द्वारा किए जा रहे फीस भुगतान 99.9 प्रतिशत सफल हो रहे हैं। विवि द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा में प्रवेश फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 27 मार्च है।

छात्र www.upsee2016.nic.in पर विजिट करके फॉर्म भर सकते हैं। विवि द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा की काउंसलिंग जून के प्रथम सप्ताह में प्रारंभ हो जाएगी और 20 जुलाई को समाप्त होगीद्य सम्भावित है कि स्पॉट काउंसलिंग 25 जुलाई को समाप्त हो जाएगी।

विवि के तीन संस्थानों मे खुलेंगे सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के तिलक हाल में गुरुवार को सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए एक साझा पत्र हस्ताक्षरित (MOU) किया गया। साझा पत्र एकेटीयू एवं एंट्यूपल, एएनएसवाईएस, कैंडेंस कंपनियों के बीच हस्ताक्षरित किया गया है।

विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एंट्यूपल के निदेशक मेहता, एएनएसवाईएस के सेल डायरेक्टर कृष्णमूर्ति, कैंडेंस के निदेशक विशाल अबरोल, विवि के कुलसचिव केके चौधरी, वित्त अधिकार भानु प्रकाश एवं आईईटी के निदेशक प्रो. एएस विद्यार्थी बतौर मुख्य अथिति मंचासीन रहे। विवि के तीन संस्थानों में सेंटर ऑफ़ एक्स. ीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इन तीन संस्थानों में आईईटी, लखनऊ, जेएसएस नोइडा एवं एबीईएसआईटी गाजियाबाद शामिल हैं।

आईईटी, लखनऊ में मैके. निकल फिनिट एलिमेंट अनालिसिस एंड कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायना. मिक्स के क्षेत्र में, जेएसएस नोइडा में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एवं एबीईएसआईटी गाजियाबाद में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव के क्षेत्र में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना करना सुनिश्चित किया गया है।

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना से फैकल्टी डेवलपमेंट, छात्रों का कौशल विकास एवं छात्रों के आइडियाज को मूर्त रूप देने के लिए कार्य किया जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने कहा हमारा लक्ष्य है कि इंडस्ट्री एवं एकैडमिया के बीच उत्पन्न हो रहे गैप को कम किया जाए।

आज जरुरत है कि छात्र को पढ़ाई के दौरान ही इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाए, जिससे छात्र के कौशल का विकास हो सके। छात्रों को कॉलेज परिसर में इंडस्ट्री जैसा माहौल मिल सके, इसलिए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना जैसे कदम विवि प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे हैं। सेंटर पर इंडस्ट्री के दो एक्सपर्ट मौजूद रहेंगे। एक–एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी आयोजित किए जाएगे।

एकेटीयू ने लाँच किया यूपीएसईई के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट

लखनऊ। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि विवि की वेबसाइट पर उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो रहे छात्रों के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट शुरू किया गया है। मॉक टेस्ट में गणित, भौतिक एवं रासायन विज्ञान के मल्टीपल च्वाइस प्रश्न दिए गए हैं। मॉक टेस्ट देने के उपरांत परिणाम प्राप्त हो जाता है। पहले दिन ही 50 से ज्यादा यूजर्स ने मॉक टेस्ट दिया है। मॉक टेस्ट देकर छात्र अपनी तैयारी का परीक्षण कर सकते हैं। मॉक टेस्ट कोई भी दे सकता है। इसके लिए यूपीएसईई–2016 का पंजियन आवश्यक नहीं है। इस टेस्ट को देने के लिए छात्रों को विवि की वेबसाइट पर विजिट करना होगा, जहां उन्हें मॉक टेस्ट का लिंक प्राप्त हो जाएगा।

उत्तर पुस्तिकाओं का होगा डिजिटल मूल्यांकन

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के तिलक हाल में शुक्रवार को परीक्षा समिति की चौवनवीं बैठक हुई।

बैठक के दौरान विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलसचिव केके चौधरी, वित्त अधिकारी भानु प्रकाश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेपी पांडये, अपर परीक्षा नियंत्रक डॉ. दीपक नगरिया, संयुक्त परीक्षा नियंत्रक ई. विद्या सागर एवं सभी सदस्य उपस्थित रहे।समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि में विवि के परीक्षा विभाग में सिटीजन चार्टर किया जाएगा।

परीक्षा परिणाम समय से घोषित किए जा सकें, इसके लिए कॉलेजो द्वारा प्रदान किए जाने वाले` को अपलोड करने की तिथि का निर्धारण किया जाएगा।

निर्धारित समय के बाद विवि का सेशनल अंको को अपलोड करने वाला लिंक लॉक हो जाएगा। यदि कोई कॉलेज निर्धारित समय में सेशनल अंक नहीं अपलोड करता है तो उसे 1 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा साथ ही विवि के मुख्यालय पर आकार अंक अपलोड करने होंगे। मई 2016 में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं की कॉपियों का डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे छात्र ऑनलाइन मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका देख सकेंगे। कॉपी देख कर चेलेंज मूल्यांकन करने हेतु छात्रों को परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर दावा करना होगा। इस बार प्रैक्टिकल लिखित परीक्षाओं के पहले कराए जाएगे। सभी पाठ्यक्रमों के प्रेक्टिकल्स 2 मई से 10 मई तक कराए जाएगे। लिखित परीक्षा 12 मई से शुरू होंगी। सभी परीक्षा परिणाम 30 जून तक घोषित कर दिए जाएगे। सभी संस्थानों को छात्रों की प्रत्येक उपस्थिति का ब्यौरा 15 दिन पर ऑनलाइन देना होगा। कॉलेजों द्वारा अभिभावकों को छात्र के सम्बन्ध में उपस्थिति की सूचना देकर एक लिखित पत्र अभिभावकों से प्राप्त करना होगा, जिसे विवि की वेबसाइट पर डाला जाएगा। निर्धारित उपस्थिति होने पर ही विवि प्रवेश पत्र निर्गत करेगा। अब विवि डिग्री और अंकतालिका सीधे छात्र के घर भेजेगा। साथ ही छात्र हित में परीक्षा शुल्क का सरलीकरण किया गया है, अब परीक्षा शुल्क में डिग्री, माइग्रेशन एवं ट्रांसस्क्रिप्ट आदि के लिए एक बार में ही शुल्क प्राप्त किया जाएगा। इसके लिए 6500 रुपए की धनराशि निर्धारित की गई है। अनफेयर मीन्स में नई नियमावली लागू की जा रही है। महामाया एवं गौतम बुद्ध प्राविधिक विवि के समायोजन के संबंध में शासन द्वारा दिए गए निद. शों का अनुपालना होगा। विवि के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने कहा है कि ववि प्रशासन में पारदर्शिता लाना मेरा मुख्य उद्देश्य है। समिति द्वारा इसी क्रम परीक्षा विभाग में सिटिज़न चार्टर लागू किया गया है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। छात्र समय पर परीक्षा दे, समय पर परिणाम एवं डिग्री मिले इसके लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि आज सूचना संचार प्रौद्योगिकी का युग है। डिजिटल मूल्यांकन इसी क्रम में विवि द्वारा एक शुरुआत है। आने वाले समय में परीक्षा विभाग की कार्यप्रणाली बेहतर हो साथ ही छात्रों की समस्याओं का निराकरण हो सके ये मेरा प्रयास है।

एकेटीयू और एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता के मध्य MOU

22 मार्च, लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रा. विधिक विवि में गुरुवार को तिलक हाल में एकेटीयू और एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता के मध्य एक साझा पत्र (MOU) हस्ताक्षरित किया गया। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता के निदेशक प्रो. फाल्गुनी गुप्ता बतौर मुख्य अथिति मंचासीन रहे। साझा पत्र के तहत एनआईटीटीटीआर कलकत्ता

एकेटीयू में ट्रेनिंग नीड एनालिसिस करके इस बात का पता लगाएगा कि वर्तमान में फैकल्टीज को किस तरह के कौशल की आवश्यकता है। एनआईटीटीटीआर कलकत्ता, गैप का पता लगाने के उपरांत सॉर्ट टर्म नीड बेस्ड संयुक्त ट्रेनिंग प्रोग्राम एकेटीयू की फैकल्टी के लिए आयोजित करेगा। साथ ही साथ एकेटीयू से संबद्ध संस्थानों की रैंकिंग के लिए एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता एक स्वोट एना. लिसिस (Swot Analysis) करके रैंकिंग फ्रेमवर्क के लिए आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करेगा।

एजुकेशन टेक्नोलॉजी एवं एजुकेशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता एकेटीयू के साथ संयुक्त रूप से छात्रों को शोध करने हेतु अवसर प्रदान करेगा। एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता अपनी लाइब्रेरी की एक्सेस एकेटीयू को प्रदान करेगा। साथ ही रिसोर्स मटेरियल एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम से संबन्धित स्टडी मटेरियल भी मुहैया कराएगा। एकेटीयू इसके लिए एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता को 20 लाख रुपए मुहैया कराएगा। एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता एवं एकेटीयू के मध्य यह MOU दिनांक 22 मार्च 2016 से आगे के पांच सालों तक मान्य रहेगा। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि विवि के सभी संबद्ध संस्थानों में गुणवत्तापरक तकनीकी शिक्षा सुनिश्चित की जा सके, इसके लिए फैकल्टीज को अपडेट करना आवश्यक है। इसी क्रम में एनआईटीटीटीआर, कलकत्ता के साथ यह साझा पत्र हस्ताक्षरित किया जा रहा है। एनआईटीटीटीआर, कल. कत्ता के निदेशक प्रो. फाल्गुनी गुप्ता ने कहा कि नवाचारों के दौर में फैकल्टीज का कौशल विकास एक अहम कड़ी है। साथ ही गुवात्तापरक शोध को बढ़ावा देने के लिए लाइब्रेरी शेयरिंग एवं संयुक्त पहल वर्तमान की जरुरत बनता जा रहा है। ऐसे में यह साझा पत्र फैकल्टी स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम के साथ टीचिंग लर्निंग मैथेलॉजी पर भी ध्यान केन्द्रित करेगा। MOU के दौरान विवि के कुलसचिव केके चौधरी, वित्त अधिकारी भानु प्रकाश एवं सभी डीन फैकल्टी उपस्थित रहे।

एकेटीयू के 72 कर्मचारियों का हुआ 'विनियमितिकरण' एवं आईईटी के 19 शिक्षकों को मिला 'सीएएस' का लाभ

आईटी के प्रो. वीके सिंह बने एकेटीयू के प्रोवीसी

30 मार्च, लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रा. विधिक विवि के तिलक हाल में उस समय तालियाँ गूंज उठीं, जब विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विवि के 72 कर्मच.ारियों को विनियमितिकरण का नियुक्तिपत्र सौंपा।

साथ ही कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत आईईटी के 19 शिक्षकों की पदोन्नति की सूचना भी साझा की। विगत 28 मार्च को विवि की 28 वीं कार्य परिषद की बैठक में विवि में 2001 से पहले से कार्य कर रहे कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश शासन के विनियमतिकरण से संबन्धित शासनादेश के जरिए विनियमतिकरण करने पर सहमति बनी थी।इसके बाद से विवि के कुलपति प्रो. पाठक ने विवि के अधिकारियों के साथ मिलकर मात्र 2 दिनों में विनियमितिकरण की कार्यवाही पूरी की।

सभी 72 कर्मचारियों को विवि के कुलपति प्रो. पाठक ने व्यक्तिगत रूप से नियुक्तिपत्र सौंपा। आईईटी के प्रोफेसर वीके सिंह को एक वर्ष के लिए विवि के प्रतिकुलपति (प्रोवीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव केके चौधरी, वित्त सचिव भानु प्रकाश, परीक्षा नियंत्रक जेपी पांडेय, प्रो. कैलाश नारायण एवं अन्य उपस्थित अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने परमानेंट हुए कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर विवि के सभी कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. पाठक की जमकर प्रसंशा की।

> विवि के कुलपति के नाते मेरी यह जिम्मेदारी है कि विवि के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारीयों को उनका हक दिला सकूं। आने वाले समय में भी विवि में कर्मच.ारियों एवं छात्रों के हित में कार्य करता रहूंगा।
>
> **प्रो. विनय पाठक, कुलपति**

कर्मचारियों के अनुसार

आज मुझे बहुत खुसी है कि कुलपति महोदय ने हम सब का विनियमतिकरण किया है, मैं उनका हमेशा आभारी रहूंगा।(दीपक अवस्थी, कर्मचारी एकेटीयू)

बहुत खुसी महसूस हो रही है। मेरा सपना सच हो गया है। आज का दिन हम सब के लिए बहुत ही ऐतिहासिक है। हम तहे दिल से कुलपति महोदय के आभारी हैं। (राजीव मिश्रा एवं वीरेंद्र दीक्षित, कर्मचारी एकेटीयू)

विनियमतिकरण के बाद कुलपति महोदय के स्वागत के लिए कतार में खड़े कर्मचारीगण

विनियमतिकरण की खुशी में कुलपति महोदय का स्वागत करते कर्मचारी

एकेटीयू में मनाई गई अम्बेडकर जयंती

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के कुलपति कार्यालय में गुरुवार को डॉ. भीम राव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित सभा का उद्देश्य बाबासाहब अतुलनीय योगदान को नमन करना था।

इस अवसर पर प्रो. पाठक ने कहा कि वर्तमान में हमें डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों को अंगीकार करने की आवश्कता है, जिससे समाज में मानवमूल्यों को स्थापित करने की उनकी सोच को मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बाबासाहब के अर्थशास्त्र से संबंधित सुझाए गए सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं, जिन्हें अपना कर हम समाज को आर्थिक दृष्टिकोण से सुदृण बनाने का प्रयास कर सकते हैं। इस दौरान बाबासाहेब के जीवनकाल पर बनी एक डॉक्युमेंट्री भी दिखाई गई। प्रो. पाठक के विशेष प्रयासों से बनाई गई डॉक्युमेंट्री में बाबासाहब के स्त्री–विमर्श से लेकर समतामूलक समाज की संचरना के लिए किए गए कार्यों को भी उजागर किया गया। विवि के कुलसचिव केके चौधरी ने कहा कि बाबासाहब वे व्यक्ति थे जिन्हा. ने शोषित वर्ग के उत्थान के लिए एक मूर्त संरचना प्रदान की, जिससे देश के करोड़ो लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि आज ये कोई नई बात नहीं है कि हम बाबासाहेब की जयंती मना रहे हैं पर ये नई बात जरुर है कि हम छुट्टी के बजाय काम पर आकर बाबासाहेब की कम. वादी सोच को अंगीकार करने की ओर एक कदम बढ़ा रहे हैं।

विवि के पीआरओ पवन कुमार त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी को बाबासाहेब के द्वारा संविधान में दिए गए अधिकारों के साथ ही साथ कर्तव्यों को भी आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विवि के सभी अधिकारी एवं कर्मच. ारी उपस्थित रहे। सभा विधिवत संपन्न हो गई।

यूपीएसईई–2016 के प्रवेश पत्र ऑनलाइन उपलब्ध

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिक विश्वविद्यालय की विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई–2016) के प्रवेश पत्र यूपीएसईई–2016 की वे. बसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

यूपीएसईई–2016 के अभ्यर्थी वेबसाइट (upsee2016.nic.in) पर लॉगइन करके प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। यूपीएसईई–2016 के समन्वयक प्रो. कैलाश नारायन ने बताया कि इस बार कुल 238 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें से 229 परीक्षा केंद्र प्रदेश के विभिन्न शहरों के हैं एवं 9 केंद्र देश के विभिन्न बड़े शहरों में बनाए गए हैं।

प्रदेश के बाहर के केन्द्रों में दे. हरादून, दिल्ली, मुंबई, जयपुर, रांची, पटना, भोपाल एवं कलकत्ता शामिल हैं। दिल्ली में दो केंद्र बनाए गए हैं। प्रवेश परीक्षा एवं प्रवेश पत्र से संबन्धित किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी यूपीएसईई–2016 की वेबसाइट पर उपलब्ध सहायता नम्बर्स पर कॉल कर सकते हैं।

तैयारियां पूरी एकेटीयू की राज्य प्रवेश परीक्षा 17 को

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के तिलक हाल में मंगलवार को उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा 2016 के सभी नोडल ऑफिसर एवं नोडल इंचार्ज की बैठक आयोजित की गई। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी नोडल ऑफिसर एवं नोडल इंचार्ज मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य 17 अप्रैल को निर्धारित प्रवेश परीक्षा में किए जा रहे नए अनुप्रोगों को डेमो के माध्यम से नोडल ऑफिसर एवं नोडल इंचार्ज अवगत करना था। बैठक के दौरान बायोमैट्रिक्स उपस्थिति दर्ज करने की मशीन का परीक्षण किया गया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों में से कुछ सदस्यों को एक–एक बार कोड युक्त प्रवेशपत्र देकर उन्हें उप. स्थिति दर्ज करने का तरीका समझाया गया। इस बार प्रवेश परीक्षा में सभी छात्रों की बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाएगी साथ ही डिजिटल फोटोग्राफ भी ली जाएगी। बैठक के दौरान यूपीएसईई–2016 के उप–समन्वयक प्रो. मनीष गौड़ ने नोडल ऑफिसर एवं नोडल इंचार्ज को पैकेट्स को खुलने एवं परीक्षा के उपरांत ओएमआर को सील करने का तरीका डेमो देकर बताया। यूपीएसईई–2016 के समन्वयक प्रो. कैलाश नारायन ने बताया कि इस बार सभी पैकेट्स डाक के माध्यम से भेजे जाएगे। इसके लिए भारतीय डाक विभाग को जिम्मेदारी प्रदान की गई है। बैठक के दौरन डाक विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे जिन्होंने पकेट्स वितरण एवं जमा करने के तरीके से सभी को अवगत करवाया। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि इस बार हम परीक्षा में सूचना संचार तकनीक का बेहतर प्रयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में परीक्षा से संब. न्धित संचार को गति प्रदान करने के लिए यूपीएसईई–2016 के नोडल ऑफिसर एवं सेंटर सुप्रिटेंडेंट्स के दो व्हाट्स एप ग्रुप बनाए हैं। इस ग्रुप्स के जरिए मोनेटरिंग आसान हो जाएगी। साथ ही डिजिटल टेक्नोलॉजी से परीक्षा में पारदर्शिता को बढ़ाएगी। बैठक के दौरन विवि के कुलसचिव केके चौधरी, वित्त अधिकारी भानु प्रकाश, प्रो. संजय सिंह, प्रो. गिरीश चंद्रा, प्रो. सतेन्द्र सिंह, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपीएसईई की ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न

प्रदेश के 15 शहरों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि की शनिवार को दो पालियों में आयोजित स्नातक लिटरल एंट्री एवं परास्नातक की यूपीएसईई–2016 की ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न हो गई। विवि के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बताया कि किसी भी परीक्षा केंद्र से नकारात्मक रिपोर्ट समाने नहीं आई है।

ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न करा ली गई है। उन्होंने ने बताया कि आज रविवार को 3 शिफ्टों में प्रवेश परीक्षा होगी।

अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा के निर्धारित समय से 1घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करें। यूपीएसईई–2016 के समंवयक प्रो. कैलाश नारायण ने बताया कि प्रदेश के 15 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। 58.22 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. पाठक बने न्यूपा काउंसिल के सदस्य

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने न्यूपा (NUEPA नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन) काउंसिल का तीन वर्ष के लिए सदस्य नामित किया है। यह जानकरी न्यूपा के कुलसचिव द्वारा 13 मई को प्रेषित पत्र की प्राप्ति के उपरांत हुई। न्यूपा काउंसिल की अध्यक्षा स्वयं एमएचआरडी मिनिस्टर स्मृति जुबिन ईरानी हैं।

न्यूपा काउंसिल का उद्देश्य राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA) के मे. मोरेंडम ऑफ़ एसोसिएशन के साथ सामान्य प्रसाशन के मामलों का पर्यवेक्षण करना है। न्यूपा (NUEPA) मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय का केंद्रीय डीम्ड विवि है, जोकि शिक्षा, नियोजन एवं प्रशासन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करता है।

न्यूपा (NUEPA) की स्थापना 1962 में यूनेस्को एशियन सेंटर फॉर एजुकेशनल प्लानर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स एंड सुपरवाइजर्स के नाम से हुई थी। इसके नाम में कई बदलाव हुए और 2006 में शिक्षा, नियोजन एवं प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्यों को देखते हुए मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने इसको केंद्रीय डीम्ड विवि में परिवर्तित कर इसका नाम राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA) कर दिया। विवि शिक्षा, नियोजन एवं प्रशासन के क्षेत्र में शोध कार्य करता है।

केंद्रीय परीक्षा समिति की बैठक संपन्न

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के तिलक हाल में केंद्रीय परीक्षा समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गई। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विशेष सचिव शिव कान्त द्विवेदी, विवि के कुलसचिव केके चौधरी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान काउसलिंग प्रक्रिया के बारे में प्रो. मनीष गौड़ ने विस्तृत जानकारी दी।

इस बार ऑनलाइन काउंसलिंग 24 जून शुरू होगी और 17 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद स्पॉट काउंसलिंग होगी। स्पॉट काउंसलिंग की प्रक्रिया का निर्धारण अभी बाकी है। बैठक के दौरान बताया गया कि इस बार राज्य प्रवेश परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न हो गई है। परीक्षा परिणाम 30 मई तक घोषित होने की संभावना है। मूल्यांकन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। परीक्षा परिणाम में सबसे पहले छात्रों की रैंक मुहैया करवाई जाएगी।

एकेटीयू के एमटेक, पीएचडी एवं फैकल्टी एप्टीट्यूड टेस्ट के आवेदन 21 मई से

लखनऊ, 20 मई। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रविधिक विवि से संबद्ध कॉलेज में एमटेक, पीएचडी एवं फैकल्टी एप्टीट्यूड टेस्ट (फेट) के आवेदन शुक्रवार से विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट www.aktu.ac.in पर विजिट करके ऑनलइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन में सामान्य एवं ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए 2000 रूपए जबकि एसटी/एसी एवं महिला अभ्यर्थियों को 1000 रूपए शुल्क देना होगा। एसोसिएट डीन पीजीएसआर प्रो. वीरेंद्र पाठक ने बताया कि आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन पंजियन करने की अंतिम तिथि 9 जून है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 11 जून है।

विश्वस्वरैया रिसर्च प्रमोशन स्कीम

विवि के संबद्ध संस्थानों के शिक्षकों के लिए एक नई सौगात। विवि के संबद्ध संस्थानों में पढ़ा रहे शिक्षकों को शोध से जोड़ने के लिए विश्वस्वरैया रिसर्च प्रमोशन स्कीम लॉच की गई है। जिसके तहत हर वर्ष शोध प्रस्ताव मंगवाए जाएगे। विशेषज्ञों का एक पैनल उसमें से बेहतर शोध प्रस्तावों का चयन करेंगे। चयनित 50 शोध प्रस्तावों को 5–5 लाख रुपए की राशि शोध के लिए प्रदान की जाएगी।

होमी भाभा टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम

होमी भाभा टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम के तहत पीएचडी के 50 छात्रों को टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर चयनित किया जाएगा। जो विवि के संबद्ध संस्थानों में शिक्षण का कार्य करेंगे। इस दौरन इन्हें इस्टाइपेंड दिया जाएगा। प्राइवेट संस्थानों में इसका 50 फीसदी पैसा विवि देगा एवं 50 फीसदी उस संस्थान को देना होगा।

सीवी रमन टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम

सीवी रमन टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम के तहत विवि एम.टेक के 50 छात्रों को टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर चयनित किया जाएगा। जो विवि के संबद्ध संस्थानों में शिक्षण का कार्य करेंगे। इस दौरन इन्हें इस्टाइपेंड दिया जाएगा। प्राइवेट संस्थानों में इसका 50 फीसदी पैसा विवि देगा एवं 50 फीसदी उस संस्थान को देना होगा।

विवि करवाएगा नियमित रूप से इंटरनेशनल एवं नेशनल सेमिनार

हर वर्ष नियमित रूप से इंटरनेशनल एवं नेशनल सेमिनार एवं वर्कशॉप के आयोजन के लिए विवि से संबद्ध विभिन्न संस्थानों से प्रस्ताव मंगवाए जाएंगे। विशेषज्ञों का पैनल प्रासंगिक प्रस्तावों का चयन करेगा। तद्उपरांत विवि संस्थाओं को आयोजन के लिए धनराशि आवंटित करेगा।

मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस के लिए विवि **आईआईटी कानपुर के साथ कोलैबोरेशन** में इलेक्ट्रिकल, गणित एवं मकैनिक्स के कोर्सेस विक. सित करेगा। इसमें विषय के विशेषज्ञों के ऑडियो एवं वीडियो व्याख्यानों से छात्रों को जोड़ा जाएगा। ये तीन विषय ऐसे हैं जिसमें छात्रों की परफॉर्मेंस कई वर्षों से औसत नजर आई है। ऐसे में इस तरह के कोर्सेस, विषय की जटिलताओं को सुलझाने में बूटी का कार्य करेंगे।

नालंदा ई–लाइब्रेरी की हुई शुरुआत

ववि के शिक्षकों एवं छात्रों की शोध अभिरुचि को बढ़ाने के लिए नालंदा ई–लाइब्रेरी की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत विभिन्न इंटरनेशनल एवं नेशनल जर्नल्स को मुफ्त ऑनलाइन मुहैया कराया जाएगा। जिसे विवि के शिक्षक एवं छात्र किसी भी स्थान से लॉगइन कर प्राप्त कर सकेंगे। इससे शोध कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

'5 G' मोबाइल तकनीक पर आईटीएस इंजीनिरिंग कॉलेज में लेक्चर देते एमटीयू के पूर्व कुलपति प्रो. एसके कॉक

National Seminar on "Changing Paradigm of Management Practices in emerging markets: Challenges and Opportunities" at ITS Engineering College on 22 Apr 2016

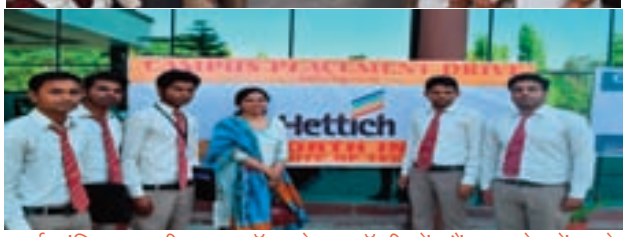

नार्थ इंडिया इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में कैंपस प्लेसमेंट के क्षण

नार्थ इंडिया इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में क्रीड़ा प्रतियोगिता

Students of EC third year made a robotic car for the robotic race in VERNAL-2016 in the department robotic lab at IIMT

IIMT Awarded the students cash prizes ranging from Rs.5000/- to Rs.3,00,000/- and Foreign trip on the basis of their good performance in terms of university results and regularity in the classes.

The games conducted were Cricket, Volleyball, Kabaddi, Badminton and Athletics at IIMT

BSAC ET में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं विषय पर व्याख्यान

BSAC ET में चयनित छात्र/छात्राओं के साथ कम्पनी प्रतिनिधि

BSAC ET के वार्षिकोत्सव में उपस्थित मथुरा की सांसद श्रीमती हेमामालिनी

BSAC ET में कार्यशाला के दौरान छात्र एवं छात्राएं

COE inaugurated by Prof Dr Vinay Kumar Pathak Honorable VC,AKTU

Students of ECE department working in TEXAS INSTRUMENT COE

AKGEC CONVOCATION

Honourable Vice Chancellor with Director, Guest of Honour Awardees at the Convocation

Sports Fest 2015-16 at AKGEC

Art and Cultural fest at AKGEC

Honourable Vice Chancellor with Director, Guest of Honour, Management Reps and Awardees at the Convocation

IMSEC, Ghaziabad Students of Mechanical Engineering Department working in ROBOTICS and AUTOMATION (COE)

BITS, Ghaziabad Students Industrial Visit at L&T, New Delhi

Convocation & Alumni Meets held at BITS, Ghaziabad Campus

Entrepreneurship Awareness Camp at IMSEC, Ghaziabad

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उ.प्र.
इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी परिसर, सीतापुर रोड, उत्तर प्रदेश, लखनऊ –226 021

न्यूज लेटर में संबद्ध संस्थान अपने आयोजनों, शोध एवं नवाचारों को प्रकाशित करवाने हेतु pawanpro_uptu@yahoo.com पर समाचार एवं फोटो भेजें।

नोटः जिन संस्थानों के आयोजन प्रकाशित नहीं हुए हैं उन्हें अगले अंक में संमिलित किया जाएगा।